सारथि एकेडमी
SAARTHI22.OCT.18
RAS MAINS TEST SERIES 2018
PAPER –III GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES
Unit-II - **Public Administration**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. प्रबंधन (Management) से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः-

अन्यों से करवाने की प्रक्रिया → द्वारा → नियोजन, संगठन / निर्देशन (आदेश) / समन्वय, नियंत्रा → न्यूनतम लागत व कुशलतापूर्वक लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य से

2. लोक प्रशासन का क्षेत्र संबंधी व्यापक दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- वुडरो विल्सन, एल डी व्हाइट इत्यादि द्वारा समर्पित इस दृष्टिकोण के अनुसार लोक प्रशासन का क्षेत्र शासन की तीनों शाखाओं (विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका) तक विस्तृत हैं।

3. **तारांकित प्रश्न क्या होते हैं ?**

उत्तरः- प्रश्नकाल के दौरान संसद में सरकार के प्रशासनिक दायित्वों से संबंधित मौखिक प्रश्न तारांकित प्रश्न कहलाते हैं जिन पर अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4. **प्रदत्त विधान (Deligated Legislation) से क्या आशय हैं ?**

उत्तरः- वह अस्थायी विधायन जो विधायिका द्वारा समयाभाव अथवा तकनीकी ज्ञान के अभाव के कारण अपने कुछ कृत्यों का प्रत्यायोजन कार्यपालिका को करने के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आता है प्रदत्त विधायन कहलाता हैं।

5. **प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण के क्या उद्देश्य हैं ?**

उत्तरः-

न्यायिक नियंत्रण
- वैधानिक त्रुटि सुधार हेतु
- अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण से सुरक्षा हेतु
- प्रक्रियात्मक त्रुटि सुधार हेतु
- विवेकाधिकारों के दुरूपयोग की रोकथाम हेतु
- तथ्यात्मक गलती के सुधार हेतु

6. **प्रशासन पर विधायी नियंत्रण संबंधी सीमाओं का उल्लेख कीजिए ?**

उत्तर :-

i. संसद के पास समयाभाव व तकनीकी ज्ञान की सीमितता से लचर नियंत्रण व्यवस्था का निर्माण।
ii. संसदीय शासन प्रणाली में कार्यपालिका का निर्माण विधायिका में से ही होता है एवं संसद में इनके बहुमत के कारण प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं हो पाता हैं।
iii. अविश्वास प्रस्ताव व पुनर्निवाचन के भय से सरकार के पक्ष में मतदान की प्रवृत्ति के कारण औचित्य में कमी।
iv. कठोर दलीय नियंत्रण एवं अध्यादेश के प्रयोग से विधायी नियंत्रण में लचरता का समावेश ।
v. विपक्ष द्वारा अनर्गल विवाद व संसद में अनुशासन का अभाव

8. प्रशासन पर विधायी नियंत्रण की प्रक्रिया में संसदीय समितियों की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तरः- प्रशासन पर विधायी नियंत्रण हेतु विभिन्न संसदीय समितियों का गठन किया जाता है जिनमें सर्वप्रमुख 22 सदस्यीय लोक लेखा समिति हैं लोक लेखा समिति संसद में कैग की रिपोर्ट की समीक्षा कर प्रशासन की मितव्ययता, कार्यकुशलता व जवाबदेहिता में वृद्धि करती है। इस कारण इस समिति को कैग का मित्र व मार्गदर्शक कहा जाता हैं। इसी प्रकार सार्वजनिक उपक्रम समिति की कैग की रिपोर्ट के आधार पर सार्वजनिक उपक्रम के लेखों की जाँच कर भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की आधारशीला रखती हैं।

सरकारी अपव्यय को रोककर बजट को कार्यकुशलता, प्रभावी व मितव्ययी बनाने हेतु 30 सदस्यीय प्राक्कलन समिति का प्रतिवर्ष गठन किया जाता है। इसी प्रकार विभागीय समिति की सहायता से बजट की मांगो पर विस्तृत रूप से चर्चा करना संभव हुआ है। इस प्रकार संसदीय समितियाँ बजट को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण हैं।

संयुक्त संसदीय समितियों के माध्यम से विशेष मामलों की जाँच की जाती हैं अब तक बोफोर्स घोटाला, 2G स्पेक्ट्रम घोटालो जैसे विषयों पर पाँच बार संयुक्त संसदीय समितियों का गठन किया गया हैं। इसी क्रम में अधीनस्थ विधान समिति

संसदीय कानूनों की संविधान सम्मतता की समीक्षा करती हैं एवं आश्वासन समिति मंत्रियों द्वारा किये गये आवश्वासनों की जाँच कर प्रशासन में उत्तरदायित्व का भाव समावेशित करने में महत्वपूर्ण है। प्रशासन को कुशल, मितव्ययी, पारदर्शी व जवाबदेह बनाने हेतु संसदीय समितियों की प्रासंगिकता बनी हुई हैं।

7. नव लोक प्रबंधन (NPM) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः-